# 1 पतरस

1 पतरस कइ ओर ते जे यीसु मसीह कइ परेरित
हंय,
इ परदेसिन केर नाम, जउन पुन्तुस, गलतियां,
कप्पदुकिया, आसिया अउर बिथूनियां मा तितर–बितर
होयके रहत हुउ। 2अउर बाप परमेसुर केर आगे केर
गियान केर खातिर, आतमा केर पवित्तर करै केर
आग्या मानइ केर, अउर यीसु मसीह केर लूहाम केर
छिड़कै केर चुने गये हैं। तोहिका बहुत अनुगरह अउर
सान्ती मिलत रहै।

**परमेसुर केर बड़ाई करौ, वह खिस्तीय जीवित आसा केर खातिर**

3हमरे परभु यीसु मसीह केर परमेसुर अउर बाप
केर धन्यबादु देउ, जउनु यीसु मसीह के मरे हुवां म
ते जी उठै केर दुआरा, अपन अपार दया ते हमका
जीवित आसा केर खातिर नया जनमु दिहिन हंय।
4अरथात एकु अविनासी अउर स्वच्छ अउर अजर
मिरास के खातिर। 5जउनु तुम्हार बरे सरगौ म हइ,
जेहिकी इच्छा परमेसुर केर समरथ ते, विसवासु केर
दुआरा उइ उद्धारु कइ खातिर आगे क समय म
परगट होय केर हइ। 6अउर ई खातिर तुम मगन होत
हव, जदपि जरुर है कि अभै कुछु दिनन तक हर
तरह केर परिच्छा केर खातिर उदास होय। 7अउर ई
खातिर है कि तुम्हार परखा भया विसवासु जउन
आगी मा तपावइ क बाद नासु होय वाले सोनौ ते
अधिक कीमती हइ, यीसु मसीह केर परगट होवै
पर बहुतइ बड़ाई, महिमा, अउर आदर केर कारन
ठहिरहै। 8उहिते तुम बिना देख परेम राखत हव,
अउर अबै तो उनपै बिना देखे विसवासु करिके
ऐसन आनन्दित अउर मगन होत हव, जऊन कहै
ते बाहर अउर महिमा ते भरा हुआ हय। 9अउर
अपन बिसवासु केर बदले मा याने आतमन केर
उद्धार पावत रहइ।
10ई उद्धारु केर बारे मा उइ नबी लोगन बड़ी
ढूंढ़–ढांढ़ अउर जांच परताल करिन जवनिन उइ
अनुगरह केर बारे मा जउन तुम पै होइ केर रहा,
नबवूत करिन रहै। 11उइ ई बातन केर खोज करिन
कि मसीह की जउनु आतमा उहिमा हइ, अउर
पहिलेन ते मसीह की दुखों केर अउर उहिके बाद
म होवै वाली महिमा की गवाही दिहिन। ऊ कऊनिव
ओर अउर कइस समय केर इसारा करत हय।
12उइ लोगन पै यहु परगट किया गवा कि अपन
नाहीं मुला तोहार सेवा खातिर ई बातैं कहत रहैं,
जेहिका समाचारु अबै तुम कौ उइ लोगन ते मिला
जउनु पवित्तर आतमा केर दुआरा जे सरग ते भेजे
गवा, तुमहू क सुसमाचारु सुनाइस, अउर ई बातन
क सरग दूत धियान लगाइ कइ देखन क इच्छा
राखत हंय।

**पवित्तर बनौ**

13ई खातिर, अपन–अपन बुद्धि ते कमर कसि
केर, अउर सचेतु रहिकै उइ अनुगरह कि पूरी
आसा रक्खौ, जउनु यीसु मसीह के परगट होय पै
तुमहूं क मिलइ वाला हइ। 14अउर मानइ वालेन
बालक की नाई अपन जानकारी न होय के समय
कि पुरान अभिलासा क नाई बनउ। 15पर जइस
तुम्हार बोलावय वाला पवित्तर हइ, वइसइ तुमहूं
अपन सबै चाल–चलन मं पवित्तर बनौ। 16काहे
ते कि अइसन लिखा हइ कि पवित्तर बनउ, काहे
ते हमहूं पवित्तर हन।
17अउर जबै तुम, हे बाप, कहिके उनहिन ते
पराथना करत हउ, जउन बिना पच्छपातु हर एक का
उहिके कामन खातिर नियाउ करत हइ, तौ अपन
परदेसी होय के समय को डरिके बिताबै। 18काहे ते
तुम जानत हउ, कि तुम्हार निकम्मा चालु–चलनु
जउन बाप दादा ते चला आवत है उहिसे तुम्हार
छुटकारा चांदी सोने जइस नस्ट होय वाली चीजन ते
नाहीं भयौ हइ। 19ऊ तौ बिनु दोसु कइ अउर बिन

दागु कइ मेमने ते याने मसीह केर कीमती लहू ते
भवा। 20उहिका गियान तउ जगत केर पैदा हुवै ते
पहिले ते जाना जात रहैं, मुला ई आखिरी दिनन मा
तुमरे खातिर परगट भवा हइ। 21जउन उहिके खातिर
ऊ परमेसुर पै विसवासु करत हउ, जउन वहिका मरे
हुअन मा ते जिलाइस, अउर महिमा दिहिस कि
तुम्हार विसवासु अउर आसा परमेसुर पर होय।
22यहि ते जबकि तुमहूं भाईचारे के नाते बिनु
कपट पिरेम के खातिर सच क मानइ ते अपन मनन
क पवित्तर किहे हउ, तउ तन—मन लगाइ कइ एकु
दुसरे ते अधिकै पिरेम राखउ। 23काहे ते तुमका नासु
होवै वालेन ते नाहीं पर अविनासी बीजइ ते परमेसुर
केर जियत अउर सदा ठहरै रहै वालेन बचनन ते
जनम पाए हउ।
24काहे ते कि सबै परानी घास की नाई हइं, अउर
उहिकी सारिउ सोभा घास के फूल की नाई हइ घास
सूखि जाति हइ, अउर फूल झरि जात हइ।
25मुला परभु क बचन जुगन तक बने रहि हइं।
अउर यहै उहि समाचारु क बचन हइ, जउन तुइ का
सुनाइन रहइं।

2 यहिते सबहिन परकार कइ बैरु, भाउ अउर छलु
अउर कपटु अउर डाहु अउर बदनामी क दूरि
कइ कै। 2नवा जनम लेवै वालइ बच्चन की नाई
निरमल, आतमिक दूध की इच्छा करौ, जेहिते उहिके
दुआरा उद्धारु पावै कै खातिर बढ़तइ जाव। 3जदी
तुम लोगन परभु की किरपा क सवादु चखि लिहै
हउ।

### जेहिका मनइन निकम्मउ ठहरान उन्हीन कौ परमेसुर केर चुना भवा कीमती पाथर हय

4उहिके पास आइ कै जेहिका मनइन निकम्मउ
ठहराइन, मगर परमेसुर केर नेरे वहि चुना हुआ अउर
कीमती जीवित पाथर हइ। 5तुमहूं खुदइ जीवित पाथर
की नाई आतमिक घर बनत जात हउ, जेहते याजकन
क पवित्तर समाजु बनि कइ, अइसन आतमिक बलिदानु
चढ़ाउ, जउनु यीसु मसीह ते दुआरा परमेसुर क
अपनावइ क जोग हइ। 6यहि कारन पवित्तर सास्तरन
म आवा हइ, कि देखउ, हम सिय्योन म कोने केर
सिरे केर चुना हुवा अउर कीमती पाथर धरति हय:
अउर जउन कउनव उइ पे विसवासु करि हइं, ऊ
कउनउ रीति ते लज्जित न होई। 7सो तुम्हरेइ खातिर
जउनु, विसवासु करति हइ, उइ तो मूलवान हइ, पर
जउन विसवासु नाई करत हइं, उनहुन केर खातिर
जउन पाथर केर राजमिस्तिरिन निकम्मा ठहराइन रहइ,
वहइ कोने क सिरा होइ गवा। 8अउर ठेस लगाइ
वाला पाथर अउर ठोकर खाय वाली चट्टान होइ गइ
हय, काहे ते उइ तो बचनु क न माने केर ठोकर खात
हइ, अउर एहि खातिर उइ ठहरावइ गए है।
9मगर तुमतो एक चुनो भयो बंस, अउर राज—
पदाधिकारी, याजकन क समाजु, अउर पवित्तर लोगु,
अउर (परमेसुर की) अपन परजा हउ, यहि ते जउन
तुमहूं क अंधकारु मा ते अपन अनोखी जोति मा
बुलाइस हइ, वहि क गुनन परगट करौ। 10तुइ तो
पहिले कुछउ नाई रहउ, पै अब परमेसुर क परजा
हउ, तुमरे ऊपर दायउ नाहीं रही मगर अब तौ तुमहूं
पर दया भइ है।
11हे पियारों, हम तुम्हते विनती करत हंइ, कि तुइ
अपन आप क परदेसी अउर राही जान कइ, उइ
संसारु केर, अभिलासन ते जउन आतमा ते जुद्ध
करति हइ, बचेइ रहौ। 12दुसरे धरमन क मानइ वालन
म तुम्हार चालु—चलन भलइ रहै, जेहिते जउन—जउन
बातन म उइ तुम्हका बुरा काम करै वालन जानि कइ
बदनामु करति हइं। उनहौ तुमरे भले कामन क देखि
कै उनहिन केर खातिर किरपा—दिरिस्टी क दिन परमेसुर
क महिमा करैं।

### सासक अउर हाकिमन केर सम्मुख आतमसमरपन

13परभु केर खातिर मनइन क ठहराये गए सबही
परबन्धकन केर अधीन रहौ, राजौ क यही कारन काहे
ते उइ उन सबन पै परधान हइं। 14अउर हाकिमन केर
काहे ते उइ कुकरमिन केर दन्डु देइ क अउर
सुकरमिन की परसंसा करइ केर खातिर उहिते
भेजे गये हइं। 15काहे ते परमेसुर केर इहै इच्छा
हइ कि तुमहूं भले कामन का करिके निरबुद्धिन
लोगन कि अगियानता कि बातन क बन्द करि
देव। 16अउर अपने क सुतंतर जानउ, मुला ई
सुवतंतरौ क बुराई क खारि आड़ न बनाव, मुला
अपने आप केर परमेसुर केर दासु समझि कइ
चलउ। 17सबै केर आदरु करौ, भाइन ते पिरेम
राखौ, परमेसुर ते डरौ, राजा केर सम्मानु करौ।
18अरे सेवकों, हर तरहन केर भयन केर साथ
अपन स्वामी केर अधीन रहउ। खाली उनहिन केर
नाहीं जउन भलेइ अउर नरम स्वभाव केर है पर
कुटिलनौ केर भी। 19काहे ते अगर कोई परमेसुर क
विचारु करिकै अनियाउ ते दुखउ उठावति हुए, कलेस
सहति हइ, तउ ई सुहावनउ हइ। 20काहे ते अगर तुइ
अपराधु करिकै घूसन की मारि खाइ केर अउर धीरजु

धरत हइ, तउ यहिमा कउन बड़ाई केर बातु हइ?
मगर जदि भलेइ काम करिकइ दुख उठावत हइ,
अउर धीरजु धरत हउ, तउ ई परमेसुर क भावति हइ।
21तुम यहि केर खातिर बुलाएइ गये हव काहे ते
मसीह तुम्हरे ई खातिर दुख उठाइ के, तुमका एकु
आदरसु दै गवा हइ, कि तुमहूं उहि केर चिन्हन पर
चलौ। 22न तो उइ पाप किहिस, अउर न कबहू उहि
केर मुखौ ते छलु जइस कौनेउ बातैं निकरी। 23उइ
गारी सुनिकै गारी नाहीं देत रहैं, अउर दुख सहि केर
केहु केर धमकिउ नाहीं देत रहै, पै अपन आप केर
सच्चइ नियाउ करै वालेन क हाथन मा सौंपति रहै।
24ऊ खुदै हमार पापन केर अपन देहि पर लैके क्रूस
पै चढ़ि गवा। जिहिस हम सबै पापन केर खातिर मरि
केर धारमिकता कि खातिर जीवन बितावै, उहिके मार
खाये ते तुमहूं चंगे भये हउ। 25काहे ते पहिले तुमहूं
भटकत भए भेड़न की नाई रहौ, मगर अब अपन
परानन केर रखवाले केर अउर अध्यछउ नेरे फिर ते
आइ गये हउ।

## मरद अउर औरतन

3 हे पतनियों, तुमहूं अपन पतिन केर अधीन रहौ।
2यहि खातिर की इनहिन मा ते कोऊ अइस
होय, जउन बचन क मानत होय तबहूं तुम्हार भै
साथइ पवित्तर चालु चलनौ देखि कइ बिना बचनउ
केर अपन आन मेहरारु केर चालु—चलनु ते खिंचि
जाइ। 3अउर तुम्हार बनाउ सिंगार खाली दिखावइ क
न होय, मुला बालन क गुहे केर, अउर सोने केर
गहने, या कई तिना क कपड़न क पहिनै का। 4मुला
तुम्हार छिपा भवा अउर गुपुत मनईपन, नरम सुभाउ
अउर मन केर दीनतउ कि न नासु होय वाली सजावट
तै अच्छी तरह सजाय केर रहै। काहे ते परमेसुर की
दिरिस्टी मा इहकी बड़ौ कीमत हइ। 5अउर पहिलेन
समय मा पवित्तर मेहरारु, जे परमेसुर प आसा राखति
रही, अपने आप क इहै रीति ते संवारती अउर
अपन—अपन पतिन केर अधीनइ रहति रहै। 6जइस
सारा अबराम कि आगयां म रहत रहै अउर उहिका
स्वामी कहत रहै सो तुमहूं अगर भलाई करौ अउर
कवनेउ भय ते भयभीत न होउ तो वही की बिटउनी
ठर रइहो।

7वही तिना हे मरद लोगउ, तुमहूं बुद्धिमानी ते
औरतन क साथइ जीवन बितावउ अउर नारी क
अबला समझि कइ उहिका आदरु करउ, यहि समझि
कइ कि तुम दूनौ जीवन कइ बरदान केर वारिस हउ,
जेहिते तुम्हार पराथना रुकै नाहीं।

## भले काम करइ केर खातिर दुखु उठावति रहै

8आखिर मो सबै एकु मन, अउर भाईचारे केर
पिरेम राखइ वालेन, अउर करुना ते भरा पूरा, अउर
नरम बनौ। 9बुराई केर बदले मा बुराई न करौ, अउर
न गारी क बदले मा गारी देउ, पै इहकै बदले असीसै
देउ, काहे ते तुमहूं असीस केर वारिस होयके खातिर
बुलवाए गये हउ। 10काहे ते जउन जियै क चाहत हैं
अउर अच्छइ दिन द्याखा चाहत हइं ऊ आपनि जीभ
क बुराई ते अउर अपन होठन क छलु केर बातन करै
ते रोके राखैं।

11ऊ बुराई क साथु छोड़ै, अउर भलाई करै, उह
मेलु—मिलापु क ढूंढ़ै अउर उहिके जतन मा रहैं।

12काहे ते परभु की आखैं धारमिक पै लागि
रहति हैं, अउर उइ केर कान उनहीक बिनती म
लागे रहत हइं, मुला परभु बुराई करै वालेन ते
नाराज़ रहत हैं।

13अउर अगर तुइ भलाई करै मा उत्तेजित राहै तो
तुम्हार बुराई करै वाला फिर कौन हैं? 14अउर अगर
तुमहूं धरमन केर कारन दुखउ उठावत, तउ तुम धन्य
हउ, मगर वहिकै डरावै ते मत डरौ, अउर न घबराउ।
15मुला मसीह क परभु जानि केर अपन—अपन मन
मा पवित्तर समझौ, अउर जउनु कोउ तुमते तुम्हारि
आसा केर बारे मा कछु पूछै, तउ उहिका जवाबु देइ
का सदा तैयार रहउ, मुला नरम अउर भय केर साथै।
16अउर विवेकउ केर सुद्धइ राखौ, ताकि जउनी बातन
केर बारे मा तुम्हारि बदनामी होति हइ, उनहिन क
बारे म उइ जउन तुम्हरे मसीही भले चालु चलनौ क
अपमानु करत हइ, लज्जित होय। 17काहे ते जदि
परमेसुर कइ यहै इच्छा होय कि तुइ भलाई करिन
केर कारन दुख उठावति हउ, तउ ई बुराई करैन क
कारन दुख उठावै ते उत्तमु हइ। 18यहि ते मसीह ने
भी, यानी अधरमियन केर खातिर धरमिन पापन कइ
कारन एकु बारु दुख उठाइस जेहिते हमहूं क परमेसुर
क नेरे पहुंचाइ देय, उइ द्यांह केर भाव ते घात किया
गवा मुला आतमा केर भाव ते जियावा गवा। 19उइ
मा ऊ जाइ केर बन्दी आतमन मा परचारु किहिसि।
20जउनिव उइ बीते समय मा आग्या न मानिन जबै
परमेसुर नूह केर दिन मा धीरजु धरि केर रुकि गवा,
अउर ऊ जहाज बनत रहा, जेहिमा बइठ केर थोड़े
लोग यानी कोई आठ परानी पानी केर बल ते बचि
गये। 21अउर उइ पानी केर दिरिस्टन, याने बपतिसमा,
यीसु मसीह केर जी उठइ ते, अब तुमहुक बचावत
हइ। जेहिते देह केर मइल क दूर करइ क नाहीं हइ
मगर सुद्ध बिबेक ते परमेसुर केर अधीन म हुइ जाइ

का मतलव है। 22उइ सरग मा जाइ कइ परमेसुर केर
दहिने ओर बैढ़ि गवा, अउर सरग दूत अउर अधिकार
राखइ वालेन अउर समरथ राखइ वालन उहि केर
अधीन कइ दिहिन है।

### परमेसुर केर खातिर जियत

4 यहिते जबै मसीह देह लइ केर दुख उठाइन तउ
तुमहूं उइ मनसा केर धारन करि केर हथियारु
बांधि लेउ, काहे ते जउन देह मा दुख उठाइस वहै
पापन ते छुटकारा पाय गवा। 2जाहे ते आगे कि
समय मा अपन बाकी देह थारिउ जीवन मनइन कि
अभिलासन केर मुताबिक नाहीं, पर परमेसुर की
इच्छा ते बिताउ। 3काहे ते दुसरे धरमन मानइ वालेन
केर इच्छा मुताबिक काम करै क, अउर लुचपन की
बुरी अभिलासनु, मतवलापनउ लीला, कीरियनउ,
पियक्कड़पनउ, अउर घिरना वाली मूरति पूजनउ मा
जेहि तक हमहूं पहिल समय गवायेन ऊ बहुत हुइगा।
4ई ते उइ अचरज करत हइं, कि तुम अइसन भारी
लुचपन म उनहुं क साथ नाहीं देत, अउर इहते उइ
तुमका बुरा भला कहत हइं। 5पर उइ उहिका जउन
जीवित अउर मरे हुएन क नियाउ करैक तइयार
हंइय, लेखा देइ हइं। 6काहे ते मरे हुएन का सुसमाचार
यहिते सुनावा गवा, कि देह राखै वाले मनइन केर
मुताबिक उनहुंक नियाउ होय, मुला आतमा म उइ
परमेसुर केर मुताबिक जियत रहैं।

7सबै बातन क अन्तु फौरन होय क हैं, यहिते
संजमी होइ केर पराथना केर खातिर सचेत रहउ।
8अउर सबन म सरसेठ बसत इं हइ कि एक दुसरे ते
अधिक पिरेम राखउ, काहे ते पिरेम अनेक पापन क
ढांकि देत हइ। 9बिनु कुड़कुड़ाए एकु दुसरेन की
पहुनाई करै। 10जेहिका जउन बरदानु मिला हइ, उइ
वहिका परमेसुर केर अनेक परकार केर अनुगरह केर
भलो इ भन्डारिन की नाई एक दुसरे की सेवा म
लगावै। 11अउर कोऊ बोलइ तो अइस बोलइ जइस
परमेसुर क बचन हवैं। अगर कोऊ सेवा करै, तउ उइ
सकती ते करै जउन परमेसुर देत हइ, जेहिते सब
बातन मा यीसु मसीह केर दुआरा परमेसुर की महिमा
परगट होय, महिमा अउर सामराज्य जुगन जुगन
तलक उइ की है। आमीन।

### मसीह बनइ खातिर दुखु उठाव

12हे पियारो, जउनु दुख केर आगी तुम्हरे परखन
केर खातिर तुम्हरे मा धधकिहैं यहिते ई समझि कइ
चकित न होउ, कि कउनउ आनोखी बात तुम पै बीत
हइ। 13मुला जइसे जइसे मसीह केर दुखन मं सहभागी
होत हउ, आनन्द करौ, जेहिते उहि की महिमा केर
परगट होत समयौ भी तुइ आनन्दित अउर मगन रहौ।
14फिर जदी मसीह क नाम केर कारन तोहार निन्दा
की जाति हइ, तो धन्य हउ, काहे ते महिमा केर
आतमा, जउन परमेसुर की आतमा हइ, तुम्ह पै
छाया करत है। 15तुममा ते कउनउ हत्यारा या चोर
या कुकरमी होय, या पराये कामन म हाथु डालइ केर
कान दुख न पावै। 16मगर मसीही होवै केर कारन
दुख पावै, तउ लज्जित न होय, मुला इहै बात की
खातिर परमेसुर की महिमा करै। 17काहे ते ऊ समय
आइ गवा हइ, कि पहिले परमेसुर केर लोगन क
नियाउ किया जाय, अउर जबैकि सुरुआत हमहिन ते
हुइहैं तो उइ का कौनु अन्त होई, जउन परमेसुर केर
सुसमाचारु क नाहीं मानत। 18अउर जदी धरमी मनई
कठिनाई ते उद्धार पइहैं, तौ भगती ते दूरि अउर
पापिन का कउन हाल होई?

19यहिते जे परमेसुर कि इच्छा ते दुखु उठावत हइं,
उइ भलाई करत भये, अपन—अपन परानन क विसवासु
योग सिरजनहार केर हाथन मा सौंपि देई।

### पुरनियन अउर जवान लोगन केर बारे मा

5 तुम मा जउन पराचीन हइं, हम उनहुन की नाई
पराचीन अउर मसीह केर दुखन क गवाह अउर
परगट होइ वाली महिमा मा सहभागिउ हुई केर
उनहुन क इहु समुझाइत हई। 2कि परमेसुर केर उइ
झुंड क, जउन तुम्हरे बिच्चा मा हइ, रखवाली करउ
अउर ई दबाउ ते नाहीं, मगर परमेसुर केर इच्छा की
मुताबिक खुसीय ते अउर नीच कमाइ क खातिर
नाहीं, मुला मन लगाइ के। 3अउर जउन लोग तुमका
सउंपिन गये हइं, उन पै अधिकारु न जताव, वरन्
झुंड केर खातिर मिसाल बनौ। 4अउर जबै रखवालेन
क मुखिया परगट होई तब तुमहुंक बड़ाई क मुकुट
दियौ जाई, जउन मुरझाइ का नाहीं। 5अरे नवयुवकों,
तुमहूं पुरनियन केर अधीन रहौ, वरन् तुम सबै एकु
दुसरे की सेवा क खातिर दीन होय केर कमर बांधेइ
रहउ, काहे ते परमेसुर अभिमानिन केर समानउ करत
हइ, मुला मन केर दीनन पै दया करत हइ। 6यहिते
परमेसुर केर बलवान बाहन केर नीचेइ दीन होइ केर
रहउ। जेहिते ऊ तुम कौ उचति समय पै बढ़ावै।
7अउर अपन सबहिन फिकरउ क उहि पै डारि देउ,
काहे ते उहिका तुमरो धियानु हइ।

8सचेत रहउ अउर जागत रहउ, काहे ते तुम्हार
बिरोधी सैतानु गरजै वाले सेर की नाई ई खोज म

रहत हइ, कि केहिका फारि खाय। [9]विसवासु म
मजबूत हुइ कै, अउर यहि जानि केर वहिका सामनउ
करउ, कि तुमरे भाई जउन संसार मा है, यही तिना
दुख भुगतत रहत हइ।
[10]अब परमेसुर जउन सबै अनुगरहन का करइ
वाला हइ, जेहिते तुम्हौ क मसीह मा अपन असीम
महिमा केर खातिर बुलाइस, तुम्हार थोड़िय देर तलक
दुख उठावइ केर बाद खुदै ही तुमका सिद्ध, थिर
अउर बलवन्त करिहैं। [11]वहिकै सामराजु जुगन—जुगन
तलक रहै। आमीन।

## आखरी अभिवादनु

[12]हमहूं सिलवानस केर हाथै जेहिका हम विसवासु
योग भाई समझति हइ, थोरै म लिखि केर तुमका
समझाइन है। अउर ई गवाही दीन हइं कि परमेसुर क
सांचउ अनुगरह यहै हइ, वही मा थिर रहउ।
[13]जउन बाबुल म तुमरी नाई चुने हुए लोगन हय
ऊ हउर हमार बेटवा मरकुस तुमका नमसकार कहत
है। [14]पिरेम ते चुम्बनु लइ—लइ केर एक दुसरे क
नमसकार करउ। तुम सबन क जउन मसीह म हैं,
सानती मिलत रहै। आमीन।